न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट , गंगापुर सिटी

पीठासीन अधिकारी—श्री सुदर्शन सिंह तोमर

क्र०सं०	पत्रावली सं०	दर्ज दिनांक	उनवान	निर्णय दिनांक	कुल पृष्ठ
1	06/2019	16/09/2019	सरकार बनाम मुफीद	30.03.2026	1 लगायत 3

1. राजस्थान सरकार जरिये पुलिस अधीक्षक,सवाईमाधोपुर। —सायल(प्रार्थी)

बनाम

1. श्री मुफीद पुत्र वसीर खां जाति तेली मुसलमान उम्र 30 साल निवासी चुली गेट नं0 02 स्कूल के पास गंगापुर सिटी पुलिस थाना गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर ।

——गेर सायल(अप्रार्थी)

अभियोग—पत्र अन्तर्गत धारा 3 राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम,1975

पुलिस अधीक्षक,सवाईमाधोपुर द्वारा यह अभियोग पत्र राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1975 की धारा 3 के अन्तर्गत गैर सायल(अप्रार्थी) श्री मुफीद पुत्र वसीर खां जाति तेली मुसलमान उम्र 30 साल निवासी चुली गेट नं0 02 स्कूल के पास गंगापुर सिटी पुलिस थाना गंगापुर सिटी के विरूद्व प्रस्तुत किया गया है। अभियोग पत्र के अनुसार गैरसायल(अप्रार्थी) के विरूद्व पुलिस थाना गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर मे निम्न अभियोग पंजीवद्व होना बताया है।

क.स	मु0नं0	दिनांक	धारा	चार्जशीट नम्बर	दिनांक	निर्णय का विवरण
1	311/16	09.05.2016	13 RPGO	155	31.05.2016	100 रू0 के अर्थदण्ड से दण्डित
2	338/19	20.05.2016	13 RPGO	177	29.06.2016	100 रू0 के अर्थदण्ड से दण्डित

इस्तगासा का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि अप्रार्थी श्री मुफीद पुत्र वसीर खा जाति तेली मुलसमान उम्र 30 साल निवासी चूली गेट न० 02 स्कुल के पास गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर में रहता है। जो बचपन से लिखपढ नहीं पाया और कस्बा गंगापुर सिटी के बदमाशान के साथ उठ बैठ कर शराब पीना, जुआ खेलना, बीडी पीना सीख गया इस कारण बूरी आदतों में पड जाने के कारण अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने के लिये नगर पालिका क्षेत्र गंगापुर सिटी में रहने वाले नागरिकों को सट्टा की लगाईवाली करने पर पाबन्द करने लग गया और स्वयं खाईवाली क[illegible] थाना गंगापुर सिटी पर 02 मुकदमात दर्ज है। दोनो मुकदमात मे सजाया[illegible]र पालिका क्षेत्र में इस प्रकार खुले आम सट्टे की खाईवाली करन[illegible]ने वाली आम जनता के जीवन के लिये एवं शान्ति व्यवस्था के लिये [illegible] रुपेण खतरा बन गया है। इससे लोग भारी परेशान हैं। जिसकी आम सोहरत भी खराब है। राजस्थान गुण्डा नि[illegible] अधिनियम 1975 की धारा 3 की नौयत में आने वाले विभिन्न [illegible]राध उक्त अपराधी अभ्या[illegible]

Signature Not Verified
Digitally signed by Sudarshan Singh Tomar
Date: 2026.04.20 11:11:26 IST
Reason: SelfAttested

अतिरिक्त जिला कलेक्टर
गंगापुर सिटी

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ,गंगापुर सिटी
मु0नं0 06/19 सरकार बनाम मुफीद

करता आ रहा है। तथा इसको कानून का कोई डर नहीं रह गया है। बार–बार गिरफ्तारी के बावजूद भी यह लगातार घटनाऐ कर रहा है।

अभियोग पत्र के साथ तालिका मे अंकित प्रथम सूचना रिपोर्ट, चार्जशीट प्रतियां प्रस्तुत की है।

अभियोग पत्र प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैरसायल को राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम,1975 के नियम–4 मे उल्लेखानुसार राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम,1975 की धारा 3 के अन्तर्गत नोटिस जारी किया गया। गैरसायल स्वयं उपस्थित होने पर बहस उभय पक्ष सुनी गई।

प्रार्थी पक्ष से दौराने बहस निवेदन किया कि गैरसायल के खिलाफ वर्तमान में पुलिस थाना, गंगापुर सिटी जिला गंगापुर सिटी में 2 मुकदमें दर्ज है। जिसमें 2 मुकदमों में गैरसायल को 2 बार 100–100 रू0 के जुर्माना से दण्डित किया हुआ है। गैरसायल कई वर्षो से अपराधों में लिप्त रहा है एवं रूपयों से हार जीत का दाब लगाकर सट्टे की खाईवाली करता है। गैरसायल को अब तक जुआ के मुकदमों में 2 बार सजा हो चुकी है। गैरसायल का इतना आंतक है कि आम जन इसके खिलाफ गवाही देने व रिपोर्ट करने से डरता है। गैरसायल इलाके में और आमजन को आमशान्ति से रहने के लिए खतरा एवं नुकसान दायक है। अतः गैर सायल के खिलाफ राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम,1975 की धारा 3 के अन्तर्गत कार्यवाही की जावे।

गैरसायल ने दौराने बहस निवेदन किया कि उनवानी प्रकरण सन् 2019 से विचाराधीन है। गैरसायल तभी से अनवीक्षा भुगत रहा है। गैरसालय द्वारा वर्तमान में किसी भी प्रकार का ऐसा कोई कार्य नहीं किया जाता है। गैरसायल मजदूर पेशा व्यक्ति है। गैरसायल मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। प्रार्थी कभी भी आपराधिक कार्यों में लिप्त नहीं रहा है। और ना ही कभी भी जुआं एवं सट्टा आदि लगाने का कार्य किया है। साथ ही गैर सायल ने गैर सायल के प्रति नरमी का रूख अपनाते हुए उक्त प्रकरण का निस्तारण करने हेतु निवेदन किया है।

अभियोजन अधिकारी व गैर सायल की बहस सुनने व मनन करने तथा अभियोग पत्र पत्रावली मे उपलब्ध दस्तावेजात व साक्ष्य का भलीभांति अवलोकन करने के पश्चात मै इस निष्कर्ष पर पहुंचा हुं कि गैरसायल [illegible] सिटी जिला गंगापुर सिटी में 2 मुकदमें दर्ज है। राजस्थान सार्वजनिक [illegible] 1949 की धारा 13 के तहत 2 बार दोषी मानते हुए दण्डित [illegible] को 2 बार 100–100 रू0 के जुर्माना से दण्डित किया हुआ है। [illegible] यह विश्वास करने का पर्याप्त आधार है के गैरसायल की गतिविधियों से [illegible] प्रभाव पड़ सकता है। उक्त आधार पर गैरसायल के विरूद्ध राजस्थान [illegible]ण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 के तहत कार्यावाही करना न्याय संगत है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Sudarshan Singh Tomar
Date: 2026.04.20 11:11:26 IST
Reason: SelfAttested

अतिरिक्त जिला कलेक्टर
गंगापुर सिटी

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ,गंगापुर सिटी
मु0नं0 06/19 सरकार बनाम मुफीद

अतः पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज साक्ष्य के आधार पर प्रकरण में राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क),(ख) और (ग) में विनिर्दिष्ट स्थितियां विघमान है। अतः राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम , 1975 की धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गैरसालय को 07 दिन की अवधि के लिए सवाई माधोपुर जिले से थाना बदर करने का आदेश देता हूँ।

गैरसायल आज की तारीख से 15 दिन पश्चात् यानि 16.04.2026 से 07 दिन के लिए जिला करौली के थाना कुडगांव में दिन में एकबार प्रतिदिन अपनी उपस्थिति देगा तथा थानाधिकारी कुडगांव गैरसायल की उपस्थिति सुनिश्चित करेगें तथा साप्ताहिक रिपोर्ट इस न्यायालय में प्रेषित करेगें। थानाधिकारी थाना गंगापुर सिटी गैरसायल को पुलिस अभिरक्षा में उक्त नियम तिथि को थाना कुडगांव जिला करौली में पहुंचाने की व्यवस्था करेगे।

थानाधिकारी , थाना कुडगांव को निर्देशित किया जाता है कि वह प्रतिदिन उक्त गैरसायल की उपस्थिति की सूचना इस न्यायालय को भिजवाने की सुनिश्चितता करेगें एवं थानाधिकारी ,थाना गंगापुर सिटी गैरसायल के कस्बा गंगापुर सिटी में वापस लौटने की सूचना इस न्यायालय को प्रेषित करेगें। संबंधित थानाधिकाारी को तहरीर जारी की जावें तथा प्रति सूचनार्थ जिला मजिस्ट्रेट सवाई माधोपुर एवं जिला पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर को दी जावें। पत्रावली फैसल शुमार होकर वाद पूर्ति दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 30.03.2026 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय मे सुनाया गया।

(सुदर्शन सिंह तोमर)
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
गंगापुर सिटी

अतिरिक्त जिला कलेक्टर
गंगापुर सिटी

Signature Not Verified

Digitally signed by Sudarshan Singh Tomar
Date: 2026.04.20 11:11:26 IST
Reason: SelfAttested